

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान

शिक्षक अज्ञानता के अंधकार में ज्ञान की ज्योत जलाते

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। ऐश्वर्या कॉलेज में गुरुवार को शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान के साथ हुई। छात्रा रश्मिता जैन ने अपने संभाषण में कहा कि शिक्षक वो हैं जो अज्ञानता के अंधकार में ज्ञान की ज्योत जलाते हैं, जो हमें सही राह दिखाते हैं और जीवन के मूल्यों से परिचित कराते हैं। उनकी प्रेरणा से ही हम अपने सपनों को पंख लगा पाते हैं। छात्र भार्गव वैष्णव द्वारा गुरु वदना प्रस्तुत की गई। छात्रा सेजल गायरी एवं अदिति साहू द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर ऐश्वर्या पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ ऋतु पालीवाल ने बताया कि



गुरु की महानता को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता, गुरु वो दीपक हैं जो जलते रहते हैं, ताकि हम रोशन हों। उनके ज्ञान और आदर्शों से ही हम अपने सपनों को साकार कर पाते हैं। डॉ राशि माथुर, प्राचार्या ऐश्वर्या शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं डॉ निधि व्यास, प्राचार्या ऐश्वर्या मैनेजमेंट एंड आईटी ने शिक्षक दिवस का महत्त्व बताते हुए

बताया कि शिक्षक दिवस का इतिहास 1962 से शुरू होता है, जब डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् देश के राष्ट्रपति बने थे। उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई क्योंकि वे एक शिक्षक थे और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ फार्मसी के प्राचार्य

डॉ गजाराम सिरवी ने बताया कि विद्यार्थी जीवन वह समय है, जब आप अपने भविष्य की नींव रखते हैं। इस दौरान कड़ी मेहनत, अनुशासन, और धैर्य सफलता की कुंजी होते हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा संचालन प्रियांशी व्यास एवं मानसी पेमावत एवं धन्यवाद ज्ञापन शैलेन्द्र गोयल द्वारा दिया गया।

लों से खिलाड़ी त इसमें रणजी भाग लेंगे। इससे बड़े प्लेयर्स के अवसर मिलेगा। भजनलाल शर्मा, नाथ शिंदे एवं कई हस्तियों को विराज सोनी ने कुल 16 टीमों



एवं तृतीय विजेता को 11000 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। शिव सेना के राज्य प्रमुख लखनसिंह पंवार ने राजनीति पर चर्चा करते हुए बताया हम राजस्थान का लगातार दौर कर रहे हैं और आने वाले समय में हम तीसरे मार्च के रूप में राजस्थान में उभरेंगे। वर्तमान में हमारे पास तीन विधायक हैं, जिन्होंने शिवसेना की सदस्यता ली है। शिव सेना के दो गुटों के बारे में कहा केवल शिव सेना नाम लिख देने से कोई शिव सेना नहीं

है। दू- विचा नहीं मांगी महेश थो। देवरा मिलव दिलव दिया।

शिक्षक की भूमिका समाज में सदैव महत्वपूर्ण : डॉ



महानगर संवाददाता

उदयपुर। बीएन विवि की इयों में विद्यार्थियों ने विविध योजनाओं, प्रतियोगिताओं से क दिवस धूमधाम से मनाया। कृषि महाविद्यालय के छात्रा डॉ दिलिपसिंह ने बताया के सुसभ्य एवं संस्कारित ने के लिए अच्छे शिक्षकों का अति आवश्यक है। प्रो हल शर्मा ने बताया छात्रों को भी शिक्षा मिलती है, उसे अपने हारिक जीवन में उतारें। छात्र मेत रूप से कक्षाओं में भाग लें, भवी शिक्षकों का लाभ लें। प्रो सैन ने छात्रों को समय के साथ ने का आह्वान किया। नएस अधिकारी डॉ पीएस राव ताया यदि शिक्षक न हों तो सात र की कलाओं जैसे संगीत, ु, मूर्ति, चित्रकला, साहित्य, नय और फिल्म कला का ज्ञान देगा। संचालन प्रेक्षा नागर ने ।। छात्रा नदिनी डोरा, माही र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। न कन्या इकाई में भी शिक्षक प मनाया गया। अधिछात्रा डॉ पा राठौड़ ने डॉ सर्वपल्ली कृष्णन के व्यक्तित्व पर प्रकाश ।। विद्यार्थियों ने शिक्षकों का क लगाकर सम्मान कर उनके शन को रेखांकित करते हुए 5 प्रति आभार जताया। र्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। शिक्षकों की खेल योगिता हुई। इससे पूर्व छात्रसंघ

अधिछात्रा डॉ माधवी राठौड़, स्नातकोत्तर अध्ययन संकाय अधिछात्रा डॉ प्रेमसिंह रावलोत, डॉ गरिमा बाबेल, सह अधिछात्रा डॉ जेएस भाटी आदि ने डॉ राधाकृष्णन की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलन, पुष्पापण किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ मोनिका राजावत, डॉ डिम्पल राठौड़ ने बताया शिक्षकों को पौधे दिए गए। संचालन फातिमा आलमशाह व खुशीकुंवर झाला ने किया। बीएन फर्मेसी के अधिछात्रा डॉ वाईएस सारंगदेवोत ने बताया वहां भी फार्मडी के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस मनाकर शिक्षकों का सम्मान किया और उनका आशीर्वाद लिया। इसी तरह के विधि, शिक्षा, खेल, बीएनआईपीएस, बीएन पब्लिक स्कूल और स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भी आयोजन हुए। विवि चैयरपर्सन कर्नल प्रो शिवसिंह सारंगदेवोत, प्रेसिडेंट डॉ महेन्द्रसिंह आगरिया, विद्या प्रचारिणी सभा प्रबंध निदेशक मोहब्बतसिंह राठौड़, कुल सचिव डॉ निरंजन नारायणसिंह राठौड़ ने दिवस की शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

महावीर एकेडमी में छात्रों ने कराया अध्यापन : गारियावास महावीर एकेडमी सीनियर सैकण्डरी स्कूल में शिक्षक दिवस मनाया गया। अध्यक्षता विद्यालय निदेशक राजकुमार फतावत ने की। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को कलम और श्रीफ्ल भेंटकर सम्मानित



किया। विषयाध्यापक, अध्यापिकाओं के साथ.साथ निदेशक प्रणय फतावत, प्रशासिका सपना गौड़, प्रधानाचार्य अरूण त्रिवेदी उपस्थित थे। शुरू में विद्यालय प्रबन्धन समिति और शिक्षक बने विद्यार्थियों ने सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कक्षा.7 व 8 के विद्यार्थियों ने सरस्वती वन्दना का गान किया। कक्षा.दसवीं की छात्रा खुशी शर्मा ने शिक्षक दिवस पर विचार व्यक्त किए। प्रशासिका सपना गौड़ ने शिक्षक बने विद्यार्थियों को अनुशासनात्मक दिशा.निर्देश दिए। प्रधानाचार्य अरूण त्रिवेदी ने शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच की सम्प्रेषणीयता पर रोचक अन्दाज में प्रस्तुति दी। प्रबन्धक राजकुमार फतावत ने छात्र.छात्राओं को प्रोत्साहित कर विद्यालय परिवार का धन्यवाद जताया। संचालन अध्यापिका ज्योति भाटी ने किया। शिक्षक बने विद्यार्थियों ने विषयवार कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया। समापन में श्रेष्ठ छात्र, शिक्षक की घोषणा की गई।

महेश सेवा संस्थान ने मनाया दिवस : महेश सेवा संस्थान में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी द्वारकाप्रसाद सोमानी, प्रमोद छपरवाल, गोपाल काबरा ने समाज के 21 वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष राजेश राठी ने बताया संस्थान के महेश पब्लिक स्कूल के शिक्षकों का सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जेके छपरवाल ने शिक्षकों की निशुल्क चिकित्सा जांच की। संचालन मंजू गांधी एवं छवि भदादा ने किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ सदस्य, संस्थान संरक्षक, सदस्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। सचिव ललितप्रसाद माहेश्वरी ने धन्यवाद दिया।

शिक्षक ज्ञान की ज्योत जलाते हैं

ऐश्वर्या कॉलेज में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट कर उनके योगदान पर कृतज्ञता व्यक्त की। शुरुआत में

इनरव्हील क्लब

इनरव्हील क्लब द्वारा प्रतिभ अध्यक्ष चंद्रकला कोठारी ने टीच डॉ. सीमा चंपावत ने भी विचार व्य उपाध्यक्ष रेखा जैन ने बताया वि शिक्षकों को सम्मानित किया ग सोजतिया, सुनंदा जैन, बबिता सरूपरिया उपस्थित थे।

रोटरी क्लब उदयपुर

रोटरी क्लब उदयपुर ने हि माध्यमिक विद्यालय में 29 शिक्षक छाजेड़ ने बताया विद्यालय के 250 विद्यालय कैलाशपुरी व राजकीय स्टेशनरी, शिक्षण सामग्री बांटी। स सिसोया, दीपक मेहता, सतीश जैन

जनजातीय क्षेत्र के

रोटरी क्लब मेवाड़ ने ग्रामी के स्कूलों के अध्यापकों को र भाणावत ने बताया राबाउमावि व 15 शिक्षकों को सम्मानित किया पगारिया ने बच्चों को प्रेरक संब के पूर्व अध्यक्ष आशीष हरकावत दिया। स्कूल में क्षमता अनुसार संयोजन दीपिका शर्मा ने किया।

छात्र छात्राओं ने शिक्षकों सम्मान किया। छात्रा रक्षिता जैन संभाषण दिया। छात्र भार्गव वैष् ने गुरु वदना की। छात्रा सेज गायरी एवं अदिति साहू सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति ऐश्वर्या पीजी कॉलेज की प्राचार्या ऋतु पालीवाल, डॉ राशि मा प्राचार्या ऐश्वर्या शिक्षण प्रशिध

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान: शिक्षक अज्ञानता के अंधकार में ज्ञान की ज्योत जलाते

उदयपुर, 5 सितम्बर (नसं)। ऐश्वर्या कॉलेज में आज शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया और उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र छात्राओं द्वारा सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान के साथ हुई। छात्रा रक्षिता जैन ने अपने संभाषण में कहा की शिक्षक वो हैं जो अज्ञानता के अंधकार में ज्ञान की ज्योत जलाते हैं, जो हमें सही राह दिखाते हैं और जीवन के मूल्यों से परिचित कराते हैं। उनकी प्रेरणा से ही हम अपने सपनों को



पंख लगा पाते हैं। छात्र भार्गव वैष्णव द्वारा गुरु वर्दना प्रस्तुत की गई। छात्रा सेजल गायरी एवं अदिति साहू द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर ऐश्वर्या पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ ऋतु पालीवाल ने बताया कि गुरु की महानता को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता, गुरु वो दीपक हैं जो

जलते रहते हैं, ताकि हम रोशन हों। उनके ज्ञान और आदर्शों से ही हम अपने सपनों को साकार कर पाते हैं। डॉ राशि माथुर, प्राचार्या ऐश्वर्या शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं डॉ निधि व्यास, प्राचार्या ऐश्वर्या मैनेजमेंट एंड आईटी ने शिक्षक दिवस का महत्त्व बताते हुए बताया कि शिक्षक दिवस का इतिहास 1962 से शुरू होता है,

जब डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन् देश के राष्ट्रपति बने थे। उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई क्योंकि वे एक शिक्षक थे और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। ऐश्वर्या कॉलेज ऑफ फार्मसी के प्राचार्य डॉ गजाराम सिरवी ने बताया की विद्यार्थी जीवन वह समय है, जब आप अपने भविष्य की नींव रखते हैं। इस दौरान कड़ी मेहनत, अनुशासन, और धैर्य सफलता की कुंजी होते हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा संचालन प्रियांशी व्यास एवं मानसी पेमावत एवं धन्यवाद ज्ञापन शैलेन्द्र गोयल द्वारा दिया गया।